කැලණිය විශ්වවිද්‍යාලය - ශ්‍රී ලංකාව

බාහිර විභාග අංශය

ශාස්ත්‍රවේදී (සාමාන්‍ය) උපාධි ප්‍රථම පරීක්ෂණය (බාහිර) - 2010
2011 අප්‍රේල් / මැයි

මානවශාස්ත්‍ර පීඨය

හින්දී - HIND - E 1025

අර්ථාවබෝධය හා ප්‍රකාශන ශක්‍යතාව

ප්‍රශ්න සංඛ්‍යාව : 05 යි. කාලය : පැය 03 යි.

ප්‍රශ්න සියල්ලටම පිළිතුරු සපයන්න
सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

---

01. निम्नलिखित शीर्षकों में से किसी एक पर डेढ़ पृष्ठों का निबंध लिखिए। (20अंक)

i एकता का बल
ii सुंदर लंका भूमि
iii वैशाख्य पूर्णिमा
iv नुवर जुलूस

02. निम्नलिखित अनुच्छेद को ध्यान से पढ़िए और पूछे गये प्रश्नों के उत्तर अपनी हिंदी में दीजिए। (20अंक)

बहुत पुरानी बात है। एक राजा था। वह अपने अपको बहुत अकलमंद समझता था। उसे लगता था कि वह देश का सबसे ताकतवर शासक है। राजा के तीन बेटियाँ थीं। एक दिन राजा ने तीनों बेटियों से पूछा कि वे उसे कितना प्यार करती हैं?
पहली बेटी ने कहा, 'पिता जी मैं आपको अपनी जान से भी ज़्यादा प्यार करती हूँ। मेरा प्यार सोने के समान अनमोल है।'
दूसरी बेटी बोली, 'पिता जी, आपके लिए मेरा प्यार समुद्र की तरह गहरा है। वह हीरे–मोती तरह शुद्ध है।'
तीसरी बेटी बहुत शर्मीली थी। जब राजा ने उससे पूछा तो वह बोली– ' पिता जी मेरा प्यार आपके लिए ऐसा है, जैसा एक बेटी का बाप के लिए।'
राजा ने तीसरी बेटी से फिर पूछा, 'तुम मुझसे कितना प्यार करती हो?'
बेटी बोली– 'मैं आपसे उतना ही प्यार करती हूँ, जितना कि नमक से'
यह सुनकर राजा अपनी छोटी बेटी से बहुत नाराज़ हो गया। उसे लगा कि राज कुमारी ने उसकी बेइज़्ज़ती की है। उसने अपनी दोनों बड़ी बेटियों की शादी दो राजाओं से कर दी। परंतु जब छोटी बेटी की शादी की बात आयी, राजा ने उसकी शादी एक भिखारी से कर दी। राजकुमारी बहुत बहादुर थी। उसने खुशी खुशी से अपने पिता का फैसला मान लिया और भिखारी के साथ चली गयी।

राजकुमारी ने अपने पति के बारे में जानने की कोशिश की। उसके पति ने उसे बताया कि वह कोई भिखारी नहीं है। वह तो इस राज्य में काम ढूँढने के लिए आया था। काफी दिन से कोई काम नहीं मिला, वह खाना माँगने लगा। इसी कारण राजा ने उसे भिखारी समझ लिया।

वह लड़का बहुत मेहनती था। इतनी समझदार पत्नी पाकर उसने ज़िंदगी की नयी शुरूआत की।

i. राजा का स्वभाव कैसा था?

ii. वे अपनी बेटियों से क्या जानना चाहते थे?

iii. किस बेटी की बात सुनकर राजा नाराज़ हो गये थे?

iv. राजा ने तीसरी बेटि को क्या सज़ा दी थी?

v. तीसरी बेटी का पति सचमुच भिखारी ही था?

vi. इन शब्दों के अर्थ सिंहली में लिखिए। अकलमंद,तकतवर,अनमेल,बेइज़्ज़ती,बहादुर

03. निम्नलिखित पद्यांशों में से किसी एक का भावार्थ लिखिए। (20 अंक)

i. बहुत दिनों के बाद
अब की मैंने जी भर देखी
पकी–सुनहली फसलों की मुस्कान
बहुत दिनों के बाद

बहुत दिनों के बाद
अब की मैंने जी–भर सुन पाया
धन कूटती किशोरियों की कोकिल कंठी तान
बहुत दिनों के बाद

बहुत दिनों के बाद
अब की मैंने जी–भर छू पाया
अपनी गँवई पगडंडी की चंदनवर्णी धूल
बहुत दिनों के बाद

बहुत दिनों के बाद
अब की मैंने जी–भर भोगे
गंध–रूप–रस–शब्द–स्पर्श सब साथ–साथ
इस भू पर
बहुत दिनों के बाद

ii. वह आता
दो टूक कलेजे करता पछताता
पथ पर आता
पेट–पीठ मिलकर है एक
चल रहा लकुटिया टेक
मुट्ठी भर दाने को भूख मिटाने को
मुँह फटी झोली को फैलाता
दो टूक कलेजे के करता
पछताता पथ पर आता।

साथ दो बच्चे भी हैं सदा हाथ फैलाये,
बाएँ से मलते हुए पेट को चलते
और दाहिना दया दृष्टि पाने की ओर बढ़ाये
भूख से सूख ओठ जब जाते
दाता भाग्य विधाता से क्या पाते?

04. (क)निम्नलिखित गद्यांश अथवा पद्यांश का सिंहली में अनुवाद कीजिए। (10अंक)

(i) रमा और उमा अच्छी सहेलियाँ थीं। दोनों कालेज में पढ़ती थीं। दोनों के घर आस–पास थे और दोनों मिलकर कालेज आती–जाती थीं। रमा गोरी थी और सुंदर थी। उसे अपने रूप और रंग पर गर्व था। पर उमा काली थी। वह लिखने पढ़ने में तेज़ थी, बोलने में भी चतुर थी।
एक दिन दोनों लड़कियाँ कालेज के बगीचे में एक बेंच पर बैठकर बातें कर रही थीं। रमा ने उमा को चिढ़ाना चाहा। उसने कहा, 'काला रंग भी कोई रंग होता है? हाथ काले, पैर काले, मुँह काला। सुंदरता तो गोरे रंग में होती है। देखो मेरा चेहरा दूध की तरह, हाथ–पैर बरफ की तरह सफेद है। तुम्हारा रंग कोयल की तरह है।'

<u>अथवा</u>

(ii) वन संरक्षण को अपनाना है
धरा को अपनी बचाना है।

वन जीवन का पर्याय है

वन विनाश धरा के साथ अन्याय है।

रोका न अगर वन विनाश
जीवन में होगा त्रास ही त्रास।

होगी कैसे बारीश?
अगर पेड़ गए कट।

मत मूँदो अपनी आँखें
वन विनाश घोर संकट।

सूख जाएँगे नदी ताल सारे
जाएँगे कहाँ जंगली जीव बेचारे।

हे मंदबुद्धि मानव!
अब तो जागो ज़रा।

वरना क्षमा न करेगी तुम्हें
ये जीवनदायिनी धरा।

(ख)निम्नलिखित वाक्यों का हिंदी में अनुवाद कीजिए। (10अंक)

1. දැන් වෙලාව සවස 4යි. කරුණාකරලා සියලු දෙනා එළියට යන්න.
2. මට පුස්තකාලයට යන්න ඕනෙ. පොත් කිහිපයක් බලන්න තිබෙනවා.
3. ගුරුතුමනි, මට මේ කවිය තේරුම් කරලා දෙන්න පුලුවන්ද?
4. මට කුඩය අමතක වුණා. වැස්සේ කොහොමද යන්නේ?
5. දැන් ශ්‍රී ලංකාවේ පාසැල්වල හින්දි භාෂාව උගන්වනු ලබනවා.

05. कपड़ों की दुकान में दो सहेलियों के बीच में होनेवाला वार्तालाप लिखिए। (20अंक)

****